अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17
फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

जैन व्याख्यान माला-2009
''महावीर का जीवन अनाशक्ति का सम्पूर्ण दर्शन''

मुनिश्रीविनयकुमारजी 'आलोक'

जयपुर, 31 अगस्त 09

''अनाशक्त योग के दर्शन को जितने सटीक रूप में भगवान महावीर ने परिभाशित किया है वह अद्भूत है। उनके सम्पूर्ण जीवन और दर्शन में अनाशक्ति मुखरित रही है। उन्होंने सदा पदार्थ के प्रति ममत्व से दूर रहने तथा अनाशक्त भाव से कर्तव्य करने का उपदेश दिया था। उनका जीवन अनाशक्त योग का जीवन निदर्शन।''

ये विचार आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के मनीशी शिश्य मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' ने जैन दर्शन व्याख्यान माला की सातवीं गोश्ठी में सहभागी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रकट किए।

जैन मंच एवं अणुविभा जयपुर केन्द्र द्वारा प्रति सप्ताह आयोजित गोश्ठी में 'जैन दर्शन में अनाशक्त योग' विशय पर जैन दर्शन एवं प्रवचन के विशेशज्ञ श्री सिद्धराज भण्डारी ने अपने मुख्य वक्तव्य में बताया कि भगवान महावीर और योगीराज श्री कृशण ने एक ही बात कही थी कि अनाशक्त भाव से कर्तव्य करते रहने पर ही वांछित उद्देश्य प्राप्त होता है। यदि व्यक्ति लालसाओं और पदार्थ की आशक्ति में जकड़ गया तो न वर्तमान जीवन सफल होगा न अध्यात्म साधना सफल होगी। अतः हमें अपनी इच्छाओं पर नियन्त्रण करते हुए अनाशक्त भाव को जागृत करना होगा। अपने पुरूशार्थ के साथ अनाशक्त योग को जोडना होगा।

गोश्ठी में उपस्थित गणमान्य विद्ववानों में सर्वश्री विजयसिंह नाहटा, प्रो. मानचन्द खण्डेला, श्री दीपचन्द डागा, डॉ. रेशमा सिंघवी, श्री पन्नालाल पुगलिया आदि ने भी अपनी जिज्ञासाएं एवं विचार प्रकट किये। जैन मंच के अध्यक्ष जस्टिस पानाचन्द जैन ने मुख्य वक्ता श्री भंडारी का साहित्य भेंट कर अभिवादन किया। गोश्ठी का संयोजन मंच-सचिवश्री महेन्द्र जैन ने किया।

युवाचार्य चयन दिवस 1 सितम्बर

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' के सान्निध्य में आचार्यश्री महाप्रज्ञ के उत्तराधिकारी युवाचार्य महाश्रमण का चयन दिवस 1 सितम्बर को प्रातः 09.15 बजे अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में होगा।

207 वां निर्वाण दिवस

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' के सान्निध्य में तेरापंथ के संस्थापक आचार्य भिक्षु का 207 वां निर्वाण दिवस 2 सितम्बर को प्रातः 09.15 बजे अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में।

आचार्य डालगणी जन्म शताब्दि 1 सितम्बर को

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' के सान्निध्य में तेरापंथ धर्म संघ के सप्तम अनुशास्ता आचार्यश्री डालगणी की जन्म :ताब्दि दिवस के उपलक्ष में 1 सितम्बर को प्रातः 09:15 बजे अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में महत्वपूर्ण आयोजन किया गया है।

तेरापंथ प्रवक्ता ने बताया :- आचार्यश्री डालगणी साहसी और हिम्मतधर आचार्य थे। उन्होंने अपने शासन काल में महत्वपूर्ण कार्य किये। वे अनुशासन प्रिय थे। आपश्री ने संघ में अनुशासन को प्रमुखता से स्थापित किया।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर